

Awareness Lecture – Dengue Prevention and Control

On October 13, 2023, a vital awareness lecture on Dengue prevention and control was organized at Shree Guru Gobind Singh Ji Government College in Paonta Sahib. The event was marked by the presence of distinguished Guest speaker Dr. Bhagat, the Chief Medical Officer of Rajpur, and Mr. Kanihiya Lal, Health Supervisor, along with their dedicated team.

The event commenced with a warm welcome by Dr. Jai Chand, the NSS Programme Officer, who introduced the esteemed guests and emphasized the significance of raising awareness about Dengue among the college community with increasing dengue cases in the city.

Dr. Bhagat, the Chief Medical Officer of Rajpur, highlighted the alarming increase in Dengue cases within the city and stressed the urgency of taking preventive measures. He discussed the symptoms of Dengue, emphasizing that anyone experiencing fever should promptly undergo testing without delay. Furthermore, he cautioned against self-medication or using over-the-counter drugs, emphasizing the need for professional medical guidance.

Dr. Bhagat underscored the importance of community efforts in eradicating the vectors responsible for Dengue. He encouraged volunteers to designate one day per week as a "dry day" when they would inspect their homes and surrounding areas to ensure that no stagnant water accumulates, thereby breaking the cycle of the disease.

During this informative session, several college faculty members and officials were in attendance, including Officiating Principal Dr. Ritu Pant, Prof. Sulakshana, and Prof. Khatri Ram Tomar. Additionally, NSS Programme Officers, Dr. Jai Chand and Prof. Nandini Kanwar were present to show their support for the event.

The event concluded with Prof. Nandini Kanwar extending a vote of thanks to the guests and participants for their active involvement in this essential initiative. The session ended on a patriotic note, with everyone standing for the national anthem. This lecture served as a significant step towards raising awareness and building a community ready to take collective action against Dengue, safeguarding the health and well-being of the region.

व स्थानीय
सभी को
एयरलिफ्ट

लों में युवा
पांवटा
चीमा व
मौके पर

रुड़े

अभियान
कर्मचारियों
में चल रहे
हेया वाहन
सर(धमाके
यातायात
अभियान

ACHAL PRADESH SHAKTI VIBHAG INVITING TENDER

for Jal Shakti Division, Baggi invites tenders
of Bihar Pradesh from approved eligible
wing works. **ALQUAD CAMERA**ing process :-
k : Operation & Maintenance of Water Supply
and Efficient system of SIRS Medical

कॉलेज के छात्रों को बताए डेंगू के लक्षण

पांवटा साहिब। डेंगू का मुख्य वाहक एडीज एजिप्टी नामक मच्छर है। इसके काटने से रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और उनमें रिसाव होने लगता है। रोगी के रक्तप्रवाह में थक्का बनाने वाली कोशिकाओं (प्लेटलेट्स) की संख्या कम हो जाती है। इसलिए डेंगू का चैन का चक्र को तोड़ने को एहतियात व सही समय पर उपचार जरूरी है।

खंड चिकित्सा अधिकारी राजपुर डॉ. केएल भगत ने शुक्रवार को पांवटा साहिब कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में अपने व्याख्यान में ये बात कही। डॉ. केएल भगत ने कहा कि डेंगू बुखार व मलेरिया में फर्क को समझना जरूरी है। डेंगू



बीएमओ राजपुर डॉ. केएल भगत छात्रों को जानकारी देते हुए। संवाद

टेस्ट की सुविधा मेडिकल कॉलेज नाहन व पांवटा सिविल अस्पताल में उपलब्ध है। डेंगू में प्लेटलेट्स कम होने लगती है। सबसे पहले डेंगू मच्छर को पैदा होने से ही रोकना जरूरी है, जिसके लिए आसपास पानी के स्रोत, पानी एकत्रित नहीं होने देने, पानी से भरे हुए किसी गड्ढे में मिट्टी तेल की दो चार बूंदें डालें। कम से कम सप्ताह में अपने घर व आसपास सफाई का विशेष अभियान चलाएं। घर की जल संग्रहण टंकी, दूधे फूटे सामान में रुके पानी को हटा लें।

बुखार, सिरदर्द, शारीरिक पीड़ा और चकत्ते डेंगू के लक्षण : डॉ. भगत

मौसम बदलाव हो रहा है। पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

डॉ. केएल भगत ने कहा कि डेंगू बुखार के लक्षण आमतौर पर संक्रमण के चार से छह दिन बाद शुरू होते हैं। करीब 10 दिनों तक रहते हैं। इसमें अचानक तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के ठीक पीछे दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, थकान, उल्टी आना, दस्त और त्वचा पर लाल चकत्ते बुखार आने के दो से पांच दिन बाद दिखाई देते हैं। इसलिए बुखार होने पर सही समय पर उपचार करवाएं।

इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. रितु पंत, डॉ. जयचंद शर्मा, डॉ. केआर तोमर, डॉ. सुलक्षणा और नंदनी कंवर समेत कॉलेज स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

सो
तह
रख
ल
रहे

भू
ल
सो
अ
भूष
फो
होने
भूष
कु
कि
एव
दि
गो
का
कट
ढेरों
खरी
प्रति

सिंगा बोर्ड



